# Hindi Murli Quiz 18-10-2015

.

*Q.1)* **Q. एक उपयुक्त संख्या [नंबर] से निम्नलिखित दोनों रिक्त स्थान भरें –**
**"आप सभी बाप का परिचय देते हो तो विशेष ----बातें सुनाते हो। अगर इन --- बातों को जान जाएं तो आत्मा श्रेष्ठ पद को पा सकती है।"**

*Q.2)* **Q. बाप-दादा बच्चों के भाग्य को 6 बातों के आधार से देख रहे थे। उन 6 बातों का चयन / टिक करें—**

- **A.** नाम का भाग्य - जैसे ब्राह्मण चोटी [नाम का मान], पाण्डव सेना [सदा विजयी], गोप-गोपियाँ [प्रेम में लवलीन]
- **B.** रूप का भाग्य – जैसे शक्तियों के रूप में, देवी- देवताओं के रूप में पूजन होने का भाग्य है।
- **C.** गुणों का भाग्य – इसके कारण अल्पकाल के लिए कीर्तन करने वालों को भी शान्ति, खुशी और आनन्द का अनुभव होता है।
- **D.** कर्तव्य का भाग्य- इसकी निशानी है कि आज तक सारे वर्ष में भिन्न-भिन्न प्रकार के उत्सव मनाते हैं।
- **E.** निवास स्थान का भाग्य - स्थान तीर्थ स्थान हो गये हैं।
- **F.** समय का भाग्य- जैसे अमृतबेला, धर्माऊ युग पुरूषोत्तम संगम युग, और नुम:शाम का समय का गायन है ।

*Q.3)* **Q. "गाया हुआ है देवताओं के आगे प्रकृति हीरे रत्नों की थालियाँ भर कर आई। पृथ्वी और सागर यह आपके लिए चारों ओर फैला हुआ सोना और हीरे-मोती एक स्थान पर इकठ्ठा करने के निमित्त बनेंगे और  सेवक बनकर आप विश्व के मालिकों के आगे रखेंगे। यह जो भिन्न-भिन्न प्रकार के साधनों द्वारा सफलता अर्थात् सिद्धि को प्राप्त करते हैं, यह सब सिद्धियाँ अर्थात् साइन्स का भी रिफाइन रूप, सफलता रूप सिद्धि के रूप में आपके सेवाधारी बनेंगे। अभी तो एक्सीडेन्ट भी है और प्राप्ति भी है। लेकिन रिफाइन सिद्धि रूप में दु:ख का कारण समाप्त हो सदा सुख और सफलता रूप बन जायेंगे। इसको कहा जाता है प्रकृति भी दासी और सर्व रिद्धि-सिद्धि की प्राप्ति।"**

- **A.** सही
- **B.** गलत

*Q.4)* **Q. आज की मुरली के आधार पर सही वाक्य ही चयन / टिक करें ---**

- **A.** बाप-दादा हरेक बच्चे के भाग्य को विशेष 6 बातों से सूक्ष्मवतन में चेकिंग कर रहे थे।
- **B.** सूक्ष्मवतन में चेकिंग सहज है - संकल्प का स्विच ऑन किया और हरेक का सब प्रकार का टोटल इमर्ज हो जाता है।
- **C.** साइन्स वाले अब सितारों तक मेहनत कर रहे हैं क्योंकि उनको चन्द्रमा में कुछ नहीं मिला।
- **D.** आप बच्चे साइलेन्स की शक्ति से सितारों से भी परे परमधाम का अनुभव शुरू से कर रहे हो ।
- **E.** साइन्स वालों को भी विश्व में नाम-मान-शान और सफलता की अल्पकाल की खुशी प्राप्त हो जाती है।

*Q.5)* **Q." ----- के भाग्य को तो आत्मायें वर्णन करती हैं लेकिन आपके भाग्य को ----- वर्णन करते हैं। इससे बड़ा भाग्य न हुआ है, न ही होगा।"**

**निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से दोनों रिक्त स्थान भरें --**

- **A.** बाप
- **B.** मनुष्य
- **C.** ब्राह्मण
- **D.** धनवान

*Q.6)* **Q. सेवाधारी बच्चों प्रति बापदादा के महावाक्य मैचिंग करके पूरा करें --**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | सेवाधारी बच्चों की विशेष सेवा ही , | 1 | बाप से प्राप्त विशेषताओं को निर्बल आत्माओं में अपनी शुभ भावना और श्रेष्ठ कामना से भरना। |
| B | सेवाधारी बच्चों का विशेष कार्य है, | 2 | एक के प्रति विशेष भावना भी हद है। हद में नुकसान है, बेहद में नहीं। |
| C | शुभ अथवा श्रेष्ठ भावना का अर्थ यह नहीं कि, | 3 | शक्ति स्वरूप रहना और शक्ति स्वरूप बनाना। |
| D | तुम्हारी शुभ भावना भी बेहद की हो, | 4 | किसी में भावना रखते-रखते उसके गुणों पर न्योछावर हो जाओ । |

*Q.7)* **Q. “कोर्स कराने का समय अभी गया, अभी फोर्स का कोर्स कराना है। दुनिया का वायुमण्डल दिन-प्रतिदिन मायावी बनता जायेगा, माया भी लास्ट चान्स में अपने यन्त्र-मन्त्र और जन्त्र जो भी हैं, वह सब यूज करेगी। इसलिए ऐसे वायुमण्डल के बीच अपने सेवा स्थानों का वायुमण्डल बहुत ही अव्यक्त और शक्तिशाली बनाओ। जैसे आपके जड़ मन्दिरों का वायुमण्डल कैसी भी आत्मा को अपनी तरफ खींचता है, अल्पकाल के लिए अशान्त, शान्त हो जाते हैं। तो चैतन्य सेवा स्थानों पर तो ऐसा पॉवरफुल वायुमण्डल चाहिए कि जो भी आये वह व्यक्त और व्यर्थ बातों से सदाकाल के लिये परे हो जाए। इसका साधन है अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना ।“**

A. सही

B. गलत

*Q.8)* **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | मुरली में रोज आपके प्रश्नों का रेसपान्स मिलता है। | 1 | मुक्ति-वालों को भी बाप का परिचय देकर मुक्ति का वरदान दो। |
| B | विश्व की आत्मायें एक बूँद के लिए भी प्यासी हैं और, | 2 | प्रवृत्ति में रहते पर-वृत्ति में रहना। पर-वृत्ति अर्थात् आत्मिक रूप। |
| C | याद में निरन्तर रहने का सहज साधन है- | 3 | अगर फिर भी पूछते हैं तो माना मुरली को प्रैक्टिकल में लाने की शक्ति कम है। |
| D | स्नेह और सहज योग के साथ-साथ शक्ति की और एडीशन करो, | 4 | आप सब मास्टर सागर बन गये तो मोस्ट लकीएस्ट हुए ना । |
| E | हर आत्मा को कुछ-न-कुछ देना जरूर है- चाहे मुक्ति, चाहे जीवनमुक्ति, | 5 | तो तीनों के बैलेन्स से हाईजम्प लगा लेंगे। |

*Q.9)* **Q.”वर्तमान समय विश्व के चारों ओर कोई न कोई हलचल है, कहाँ मन के अनेक टेन्शन की हलचल है, कहाँ प्रकृति के तमोप्रधान वायुमण्डल के कारण हलचल है, अल्पकाल के साधन सर्व को चिंता की चिता पर लिये जा रहे हैं इसलिए अल्पकाल के आधार से, प्राप्तियों से, विधियों से थककर वास्तविक सहारा ढूंढ रहे हैं। तो आप आधार, उद्धारमूर्त आत्मायें उन्हें श्रेष्ठ अविनाशी प्राप्तियों की यथार्थ,वास्तविक, अविनाशी सहारे की अनुभूति कराओ।“**

A. सही

B. गलत

*Q.10)* **Q. “समय अमूल्य खजाना है-इसलिए इसे नष्ट करने के बजाए फौरन निर्णय कर -------करो।“**

**निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ।**

A. सफल

B. प्रयोग

C. खत्म

D. उपयोग